(c) The information in respect of Coal India Limited and Singareni Collieries Company Limited is as under:—

	%age of total production			
	Coal India Limited		Singareni Collieries Company Limited	
Year	Underground	Opencast	Underground	Opencast
1976-77	26	74	100	..
1992-93 (provisional)	27	73	60	40

(d) Steps taken to augment underground coal production, inter-alia, include opening of new mines, modernisation of existing mines, application of new technologies to achieve maximum results and ensuring timely availability of inputs and infrastructural facilities.

कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा समयोपरि भत्ते का भुगतान

1782. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कम्पनी में आवश्यकता से अधिक कर्मचारी होने के बावजूद कोल इंडिया लिमिटेड अपने कर्मचारियों को प्रतिवर्ष 100 करोड़ रुपया समयोपरि भत्ते के रूप में भुगतान कर रही है ;

(ख) यदि हां ; तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने कोल इंडिया लिमिडेड में हो रहे इस अपव्यय को रोकने हेतु कोई उपाय किए हैं या यदि कोई अनुदेश जारी किए हैं, तो वे क्या हैं ; और

(घ) यदि हां ; तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी हां।

(ख) समयोपरि भत्ते की अदायगी आमतौर पर नियमित कारणों से की जाती है :–

1. सांविधिक अनुरक्षण में खराबी के लिए ;

2. खान अधिनियम के अनुसार सामरिक कर्तव्यों के अनुपालन किए जाने के लिए ;

3. रविवार और अवकाश के दिनों में वैगनों का लदान करने के लिए ;

4. ओपनकास्ट परियोजनाओं को रविवार को चलाने के लिए ;

5. कुशल श्रमशक्ति की कमी।

(ग) जी, हां।

(घ) समयोपरि भत्ते की लागत को नियंत्रित किए जाने के लिए कोल इंडिया लि० द्वारा निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं :–

(1) प्रत्येक कोलियरी के मामले में आवश्यकता पर आधारित श्रमशक्ति का मूल्यांकन किया जाता है और असमानता को श्रमशक्ति का पुनः वितरण करके दूर किया जाता है ;

(2) रविवार और छुट्टी के दिनों में अनुरक्षण कार्य के लिए तैनाती पर प्रतिबंध रखा जाता है ;

(3) रेलवे को इस बात के लिए तैयार किया जा रहा है कि वे रविवार

तथा छुट्टी के दिनों में लदान के लिए वैगनें न प्रस्तुत करें। अपरिहार्य हालातों में ही रविवार के दिनों में यंत्रीकृत लोडर तैनात किया जाता है।

कोयले की गुणवत्ता में सुधार और उसके लागत मूल्य में कमी

1783 **श्री राम जेठमलानी :**

श्री वीरेन जे० शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ऐसी आशंकायें व्यक्त की जा रही है कि कोयले के आयात पर सीमा शुल्क कम करने के संबंध में सरकार के हाल के निर्णय से देश का कोयला उद्योग प्रभावित हो सकता है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में उत्पादित कोयले की गुणवत्ता और मूल्य आयतित कोयले की तुलना में संतोषजनक नहीं है ; और

(ग) सरकार देश में उत्पादित कोयले की गुणवत्ता को सुधारने तथा कोयले कोलागत मूल्य को कम करने के संबंध में कोई कार्य योजना बनाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) तमिलनाडु और कर्नाटक को वित्त मंत्रालय द्वारा 2 मिलियन टन और 1 मिलियन टन कोयला घटी हुई सीमा शुल्क की दरों पर उनके तापीय विद्युत गृहों हेतु केवल एक बार आयात करने की स्वीकृति दी है। कोयले के आयात पर सीमा-शुल्क में सामान्यतः कोयले की कोई कमी नहीं पाई गई है।

(ख) भारत पर्याप्त मात्रा में अकोककर कोयला विद्युत तथा उद्योग की घरेलू मागों को पूरा करने के लिए उत्पादन करता है। केवल कोककर कोयला जिसमें राख की मात्रा निम्न हो, वह देश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। अधिकांश तापीय विद्युत गृह और अन्य कोयला उपभोग उपकरणों को देश में घरेलू कोयले का प्रयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारतीय कोयला विश्व में तापीय क्षमता के रूप में सबसे सस्ता है। यदि उपभोक्ता उपलब्ध कोयले की गुणवत्ता को सुधारना चाहें तो यह उपयुक्त परिष्करण के जरिए किया जा सकता है। उपभोक्ताओं को इस परिष्करण की लागत अदा करनी होगी। निजी पार्टियों द्वारा कोयले के परिष्करण की अनुमति दिए जाने के लिए एक विधेयक भी हाल ही में पारित किया गया है।

(ग) कोयला कम्पनियों ने आपूर्ति की गुणवत्ता को सुधारने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिसमें निम्न कदम शामिल हैं :

(1) चुनिंदा खनन, चुनिंदा ब्लास्टिंग और बैचों का अनुरक्षण।

(2) बाहरी तत्वों जैसे पत्थर इत्यादि का पृथककरण और हटाया जाना।

(3) कोयला रखरखाव संयंत्रों, फीडर ब्रेकर, क्रेशर इत्यादि के पत्थरों को उठाने/हटाने के लिए स्थापित करना और कोयले को उचित स्थानों में रखना।

कोयले की उत्पादन लागत को नीचे लाए जाने के लिए उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों को नीचे दर्शाया गया है :–

(1) सुधारीकृत श्रम शक्ति आयोजन, जिसमें आधिक्य कामगारों की पुनः तैनाती और प्राकृतिक आपदाओं से